अमर उजाला - दिनांक 16/01/23, सोमवार

77 फीसदी कार्य बाकी, पूरा करने के लिए समय केवल 8.5 महीने

भटहट में बन रहे आयुष विश्वविद्यालय का 23 फीसदी ही हुआ है कार्य

गोरखपुर। आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने पर लोक निर्माण विभाग ने कार्यदायी संस्था पर 1.10 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके बाद निर्माण कार्य में तेजी लाने का दावा किया जा रहा है, लेकिन कार्य समय पर पूरा नहीं हो पाएगा। फिलहाल, विश्वविद्यालय का निर्माण 23 फीसदी ही हो पाया है। यानी 77 फीसदी कार्य बाकी है। सभी को अब निर्माण (8.5 माह में) ही पूरा करना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास से जिले के भटहट के निकट में 220 करोड़ रुपये से आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण किया जा रहा है। इसका शिलान्यास तत्कालीन राज्यपाल कार्यालय में किया था। विश्वविद्यालय के निर्माण का ठेका विजय निर्माण कंपनी प्राइवेट लिमिटेड

निर्माण में लापरवाही पर कार्यदायी संस्था पर लगा दो करोड़ का जुर्माना

आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण निजी कंपनी विजय करा रही है। समय से कार्य नहीं कराने पर पहले उसे नोटिस दिया गया। फिर भी कार्य की रफ्तार नहीं बढ़ी तो एक करोड़ रुपये की पेनाल्टी लगाई गई। इसके बाद भी सुधार नहीं हुआ तो एक करोड़ दस लाख रुपये की पेनाल्टी करने के लिए शासन के पास स्वीकृति के लिए भेजा है। कार्य में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

– अनिल कुमार, अधिशासी अभियंता, निर्माण खंड भवन

कंपनी को मिला है। फर्म ने इसका निर्माण कार्य मार्च 2022 में शुरू किया था।

धीमी गति से कार्य कराने पर लोक निर्माण विभाग ने कार्यदायी संस्था को नोटिस देकर चेताया था कि काम की गति धीमी और संतोषजनक नहीं है। यदि काम में सुधार नहीं हुआ तो पेनाल्टी लगाई जाएगी। कार्य नोटिस के बाद भी जब फर्म ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया, तो लोक निर्माण विभाग ने एक करोड़ रुपये की पेनाल्टी लगा कर फर्म के बिल से कटौती कर दी।

लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता के मुताबिक ठेकेदार काम में शिथिलता बरतने पर फर्म को नोटिस दिया गया। इसके बाद भी काम में सुधार नहीं होने पर फिर 1.10 करोड़ रुपये की पेनाल्टी लगाकर मुख्य अभियंता के पास मंजूरी के लिए भेजा है। काम

आयुष विश्वविद्यालय में नहीं शुरू हो सकी ओपीडी

गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय में नए साल में ओपीडी शुरू होने की बात कही जा रही थी, लेकिन यह अभी तक शुरू नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि ओपीडी संचालन के लिए काम करा रही संस्था ने 10 कमरे का पेनाल्टी मीटर बनवा दिया है, लेकिन उसमें कुछ काम अधूरे रह गए हैं, ऐसी स्थिति में ओपीडी का संचालन नहीं हो पा रहा है। हालांकि ओपीडी के संचालन के लिए विश्वविद्यालय ने तैयारी कर रखी है। आयुष विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एके सिंह ने बताया कि ओपीडी के लिए पूरी तैयारी है। आज आयुर्वेद, एक होम्योपैथी और एक यूनानी की ओपीडी चलाई जानी है। शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों होना है। उम्मीद है कि फरवरी के पहले सप्ताह में ओपीडी शुरू करा दी जाएगी। पूरी

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 595 की | आज मगहर स्टेशन पर रुकेगी | मौसम साफ हुआ तो कुछ सप्ताही ट्रेनों की रफ्तार